सचीन जी.आई.डी.सी. पर अब रहेगी तीसरी आँख की नजर

सचिन इंडस्ट्रियल को. ऑपरेटिव सोसाइटी और नोटीफाईड एरिया लेटेस्ट टेक्नोलॉजी के साथ में CCTV सर्वेलंन्स

सूरत। सचिन इंडस्ट्रियल को. ऑपरेटिव सोसाइटी और नोटीफाईड एरिया लेटेस्ट टेक्नोलॉजी के साथ में CCTV सर्वेलंन्स से नई सिस्टम में कुल 70 केमेरा लगाने का आयोजन किया जा रहा हैं जिसकी कुल लागत मूल्य 23500000/- (दो करोड़ पैतीस लाख) के खर्च से सचीन जी.आई.डी.सी. के उधोगकारों की सलामती और सुरक्षा के लिये काम करेंगे. जिसका काम नोटीफाईड नियत एजेन्सी को दिया गया हैं.जो की CCTV केमेरा लगाने का कामकाज दो से तीन दिनों में शुरू हो जायेगा. CCTV केमेरा प्रोजेक्ट का काम सरकार श्री के S.O.R. और भाव एनालिसिस के तरह से टेन्डर प्रकिया से किया गया हैं, सारे प्रोजेक्ट की देखरेख और काम की गुणवत्ता की निगरानी गांधीनगर से G.I.D.C.ओफिस से नियुक्त किया गई तीसरे व्यकित के तरफ से देखरेख किया जायेगा.

गुजरात सरकार की पुरे राज्य में लगभग 205 इंडस्ट्रियल G.I.D.C में सबसे पहले यह सचिन इंडस्ट्रियल में पुरे क्षेत्रों CCTV केमेरा से निगरानी रखेंगी इस सुविधा से शुरूआत होने से सचिन के उधोगकारों के लिये एक डिजिटल इन्डिया में सहयोगी होने का सम्मान प्राप्त किया हैं.

लोगों को और प्रशासनिक उपयोग में भी सहयोग मिलेगा

आने-जाने वाले सभी वाहनों पर नंबर प्लेट पढने में मददगार होने से किसी प्रकार के गुनाहित कार्य करने वाले को भय रहेंगा पकडे जाने का. किसी प्रकार का घटनाओं अगर बनती हैं तो आरोपी को पकडने में पुलिस विभाग को मददगार होगा. सारे केमेरा का सिस्टम वायरलेस (WIFI) से जुड़े होंगे. जिससे पुरे विस्तार सचिन इंडस्ट्रियल G.I.D.C में निगरानी रखी जा सके. इस प्रोग्राम के तहत 30 दिन तक का रिकॉर्ड स्टोर रख सकते हैं. जिसका पुरे सिस्टम का नेटवर्क इंस्टोल और केमेरा का मोनिटरिंग सचीन नोटीफाईट ओफिस से किया जायेगा। बुलेट केमेरा सभी रिहायशी इलाके मुख्य गेट,आने-जानेवाले गेट-रास्ते ,छोटे-बडे चार रास्ते ,जहाँ पर भी चोरी होने का भय हो वह जगह (बैंक, ATM , सहित के अन्य जगह) रिहायशी इलाके के चारो तरफ की दिवालों जहाँ तक सचिन इंडस्ट्रियल का विस्तार हैं और पानी के प्लान्ट के ऊपर नजर रखेगा। PTZ केमेरा रिहायशी इलाके के सभी मुख्य चार रास्ते पर लगाई जायेगा। यह सारे जानकारी सचीन सचिन इंडस्ट्रियल को. ऑपरेटिव सोसाइटी के सेक्रेटरी मुयर जे गोलावाला ने दिया और जिससे चलते किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना,चोरी-लुट, या अन्य किसी भी तरह की गुनाहित कार्य करने वाले को पकडा जा सके. और वेपारी-कर्मचारी में एक सुरक्षित होने का अहसास हो साथ ही प्रधानमंत्री का डिजिटल इन्डिया का सपना भी पूरा किया।

कुल 66 बुलेट (Bullet) केमेरा लगाई जायेगा जिसकी कार्यप्रणाली इस तरह की रहेंगी

१. 2.8 से 12 रूरू वेरीफिकेशन लेन्स (जांचकर्ता किसी भी प्रकार वाहन/व्यक्तिगत)
२. .IP 67 वेध्रर प्रूफ (सभी मोसम में कार्यरथ)
३. इनबिल्ट स्टोरेज केपेसिटी (केमेरा में ही डेटाबेस रिकोर्ड रहेंगा)
४. अल्ट्रा WDR

कुल 4 केमेरा PTZ (PAN TILT ZOOM) की लगाई जायेगा जिसकी कार्यप्रणाली इस तरह की रहेंगी

१. 360 डिग्री तक ऊपर से निचे के चारौं दिशाओं में घूम कर सभी दिशाओं का नजर रखने में मददगार होगा.
२. 200 मीटर के रेंज में कार्यरत रहेंगा
३. 30X ओप्टिकल 200 मीटर
४. .IP 67 वेध्रर प्रूफ (सभी मोसम में कार्यरथ)
५. स्टेर लाईट टेक्नोलॉजी

कॉम्प्लेक्स के छत पिंर जुआ खेलते ३२ शख्स गिरफ्तार

अहमदाबाद, बोपल क्षेत्र में स्थित सत्यम् कॉम्प्लेक्स के छत पर जुआ खेलते ३२ जुआरियों को अहमदाबाद ग्राम्य एलसीबी ने गिरफ्तार किया है। गत दिन शाम को ग्राम्य एलसीबी और बोपल पुलिस ने संयुक्त रूप से छत पर छापेमारी करके जुआरियों को गिरफ्तार करके उनके पास से २.७८ लाख रुपये कब्जे में लिया गया है। आश्चर्य की बात है कि, जुआरियों के मोबाइल फोन उनके पास से लिए गए थे।

जिसकी वजह से कोई इस मामले में पुलिस को नहीं दे सकता है। पुलिस ने सिर्फ उनके पास से नकद रकम कब्जे में लिया है। मिली जानकारी के अनुसार, अहमदाबाद ग्राम्य एलसीबी की टीम को जानकारी मिली है कि, बोपल क्षेत्र में आबाद नगर के सामने स्थित सत्यम् कॉम्प्लेक्स के छत पर कई शख्सों जुआ खेल रहे है। इस जानकारी के आधार पर गत दिन शाम को ग्राम्य एलसीबी और बोपल पुलिस की टीम सत्यम् कॉम्प्लेक्स के छत पर छापेमारी की थी और जुआ खेलते ३२ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस की छापेमारी पर जुआरियों में भगदड़ मच गई थी। पुलिस ने जुआ खेलनेवाले शख्स के पास से नकद २.७८ लाख रुपये कब्जे में लिया गया है। पुलिस के बताये अनुसार निधराड गांव के निवासी अजित पटेल यह जुआअड्डा चलाता था। गिरफ्तार हुए जुआारी अहमदाबाद शहर, बावला, बोपल और साणंद के आसपास के निवासी है।

काजल मेहसाणा के वी.आर. पटेल कॉलेज में पढती थी

लड़की पर तेजाब फेंकने के दोषी युवक को उम्रकैद

एसिड अटैक से आंखो की रोशनी चली गई थी और चेहरे के साथ-साथ उसकी बॉडी भी बुरी तरह से झुलस गई थी

अहमदाबाद, रिश्ता बनाने से इनकार करने पर गुजरात स्थित मेहसाणा की १८ वर्षीय लड़की पर तेजाब फेंकने के दोषी युवक को उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। हार्दिक नामक २३ वर्षीय युवक ने फरवरी २०१६ में कॉमर्स स्टूडेंट काजल प्रजापति पर तेजाब फेंक दिया था क्योंकि काजल ने उसका शादी का प्रस्ताव ठुकरा दिया था।

काजल पर हुए इस एसिड अटैक से उसकी आंखो की रोशनी चली गई थी और चेहरे के साथ-साथ उसकी बॉडी भी बुरी तरह से झुलस गई थी। मेहसाणा के वी.आर. पटेल कॉलेज में उस समय बीकॉम फर्स्ट इयर में पढ़ने वाली काजल का सपना था कि वह आईपीएस ऑफिसर बने। काजल के पिता रिक्शा ड्राइवर है और पूरे घर का खर्च चलाने का बोझ उन पर ही है। काजल पर एसिड फेंकने ाला हार्दिक काजल की भाभी का भाई है। वह लंबे समय से काजल के पीछे पड़ा था। काजल मेहसाणा के पास ही रामोसन गांव की और लड़का उसी जिले की वडनगर तालुका के शेखपुर गांव का रहने वाला था। हार्दिक प्रजापति पर भारतीय दंड संहिता की धारा ३२६ ए (स्थाई या आंशिक क्षति पहुंचाना या विकृत करना या जलाना) के तहत गिरफ्तार किया गया था। वहीं काजल को नियम के मुताबिक ३ लाख रुपये का मुआवजा उपलब्ध कराया गया था।

बच्ची की पहचान का पता लगाने की कोशिश जारी

रेप केस : स्थानीय साड़ी व्यापारियों की मदद ली गई

बच्ची की तस्वीर वाले २५,००० पर्चे छपवाकर साड़ी के पैकट्स में रखे गए और अलग अलग राज्यों में भेज दि गए

सूरत, सूरत में ११ साल की बच्ची से रेप के बाद हत्या की घटना ने पूरे देश में महिला सुरक्षा, खासकर रेप के मामलों को लेकर चल रहे गुस्से को और भड़का दिया। लोग विरोध करने सड़को पर उतरे, कहीं प्रदर्शन हुए तो कही कैंडल मार्च। इस सब के बीच सूरत में लोगो बच्ची की पहचान का पता लगाने के लिए कोशिशो में जूटे रहे। ऐसा ही कुछ कर रहे हैं यहा के साड़ी व्यापारी।

सेवा फाउंडेशन नाम के एनजीओ के संस्थापक ललित शर्मा ने बताया है कि सूरत पुलिस की मदद से बच्ची का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने बताया, बच्ची की पहचान नहीं होने पर स्थानीय साड़ी व्यापारियों की मदद ली गई। बच्ची की तस्वीर वाले २५,००० पर्चे छपवाकर साड़ी के पैकट्स में रखे गए और अलग अलग राज्यों में भेज दि गए। उन पर पुलसि अधिकारियों के नंबर और अन्य जानकारियां भी लिखी गई जिस कि अगर किसी के पास बच्ची से जुड़ी जानकारी हो तो वह संपर्क कर सके।

साड़ियों के पैकट उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल और ओडिशा भेजे गए है। पुलसि कमिश्नर शर्मा ने बताया कि ऐसे ही पोस्टर पश्चिम बंगाल, ओडिशा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और आंध्र प्रदेश जाने वाली ट्रेनों पर भी लगा दी गई है। इससे पहले सूरत के बिल्डर तुषार घेलानी ने बच्ची या दोषियों के बारे में जानकारी देने वालो को ५ लाख के इनाम देने की घोषणा की थी। सूरत के हीरा व्यापारी भी पुलिस से मिले थे और इनाम में और बड़ी रकम रखने के बारे में बात की थी। उधर, आंध्र प्रदेश के एक दंपति ने बच्ची को अपनी बेटी बताया था। यह पिछले साल अकूटबर में लापता था। पुलिस कमिश्नर सतीश शर्माने बताया था कि बच्ची के माता-पिता सूरत पहुंच गए है। इस बारे में पुख्ता जानकारी डीएनए टेस्ट होने के बाद ही दी जा सकती है। गौरतलब है कि बच्ची की लाश ६ अप्रैल को एक क्रिकेट ग्राउन्ड में झाडियों के पीछे मिली थी।

रात भर करती रही अपार्टमेंट के बाहर इंतजार

वरुण धवन से मिलने के लिए सूरत से भागी लड़की

सिक्यॉरिटी गार्डस उनकी बात वरुण तक नहीं पहुंचाई तो लड़की ने बिल्डिंग के बाहर से चीखना-चिल्लाना शुरू किया

सूरत, शनिवार को सांताक्रूज पुलिस के हाथों १४ साल की एक लड़की लगी, जो सूरत स्थित अपने घर से भागकर सिर्फ वरुण धवन से मिलने के लिए उनके खार वाले घर के बाहर रात भर इंतजार करती रही। पुलिस ने बताया कि एक मैन्युफैक्चरर की बेटी वरुण धवन की बिल्डिंग के बाहर पूरी रात इंतजार करती रही, ताकि वह अपने चहेते इस स्टार से मिल सके।

पुलिस ऑफिसर ने बताया, वह लड़की वरुण की बिल्डिंग के बाहर बैठी रही और उनसे मिलने की जिद करती रही, जबकि सिक्यॉरिटी गार्डस ने उसे बताया कि वह फिलहाल घर पर नहीं है। जब लड़की को पता चला कि सिक्यॉरिटी गार्डस उनकी बातें वरुण के घर तक नहीं पहुंचा रहे, तो वह बिल्डिंग के बाहर से ही चीखना-चिल्लाना शुरू कर दी। बिल्डिंग के ही एक निवासी जिन्होंने लड़की शोरगुन मचाते देखा, उन्होंने इसकी जानकारी दी।

पुलिस छानबीन में पता चला कि वह लड़की सूरत के एक कपड़े के व्यापारी की बेटी है, जो शुक्रवार को चुपचाप अपने घर से भाग निकली थी।

सहायता की रकम अभिभावक के अकाउन्ट में जमा की जाएगी

अहमदाबाद, गरीब और वंचित समूह के बच्चों को कक्षा-१ में एडमिशन लेने के लिए कामकाज १९ अप्रैल से शुरू हो रही है। आरटीई के तहत एडमिशन लेनेवाले बच्चे के अभिभावक को सरकार द्वारा ३ हजार रुपये आर्थिक सहायता दी जाती है। अब यह रकम सीधे अभिभावक के अकाउन्ट में जमा हो ऐसा निर्णय किया गया है। इसके पहले अभी तक स्कूलों को जो ग्रान्ट की रकम चुकायी जाती थी इस रकम में से स्कूलों को ३००० रुपये अभिभावकों को चेक देकर चुकाया जाता था, लेकिन स्कूलों द्वारा अभी ग्रान्ट नहीं आयी है सहित के एक बहाना के तहत अभिभावक को ३००० रुपये की रकम चुकाने में आनाकानी किया जाता था। आरटीई में वंचित समूह के बच्चों को निजी और ग्रान्टेड स्कूलों में एडमिशन दिया जाता है। विद्यार्थी स्कूल में एडमिशन ले उस समय में सरकार की ओर से स्कूलड्रेस, बूट, स्कूलबैग सहित की वस्तु लेने के लिए ३००० रुपये की आर्थिक सहायता दी जाती है। यह खर्च की रकम प्रतिविद्यार्थी संबंधित स्कूल की ग्रान्ट में जोड़कर दी जाती थी।

५० लाख रुपये की फिरोती मांगी गई

जमीन दलाल के पास फिरोती मांगनेवाला शख्स गिरफ्तार

अहमदाबाद, शहर के रामोल क्षेत्र में जमीन दलाल के पास से ५० लाख रुपये की फिरोती मांगनेवाले शख्स को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

वस्त्राल क्षेत्र में स्थित राधेकिशन रेसिडेन्सी में रहते और जमीन की लेन-देन का काम करते गीरिशभाई ईश्वरभाई पटेल ने रामोल पुलिस स्टेशन में ५० लाख रुपये की फिरोती मांगनेवाले एक शख्स के विरूद्ध में शिकायत की है। शिकायत में लगाये गये आरोप के अनुसार, पांच वर्ष पहले नारोल में रहते राजुभाई हरीशभाई पटेल उनके मित्र जहरूदीन उर्फ बाबर गफारभाई अंसारी को लेकर गीरिशभाई के घर आये थे।

जहरूदीन को रुपये की जरूरत होने से राजुभाई ने गीरिशभाई के पास से एक महीने के लिए दस लाख रुपये दिए थे।

एक महीने बाद जहरूदीन ने रुपये नहीं देने पर इसके बदले में गीरिशभाई को जमीन देने की बात की थी। गीरिशभाई ने जहरूदीन की बात पर विश्वास करके दस लाख रुपये के बदल में ५६ लाख रुपये की जमीन खरीदी थी।

गीरिशभाई ने इस जमीन का उनकी मां जसीबहन वाडीलाल पटेल के नाम पर दस्तावेज कराया था। गीरिशभाई ने बाकी के ४६ लाख रुपये जहरूदीन को दे दिया था। दो वर्ष के बाद गीरिशभाई जमीन का कब्जा लेने के लिए गये तब युनूस नाम का व्यक्ति बीच में आया था और जमीन मेरी है उसने दावा किया है। युनूस को हटाने के लिए गीरिशभाई ने जहरूदीन को ढाई लाख रुपये दिए थे। गीरिशभाई ने युनूसभाई को भी अलग से डेढ़ लाख रुपये दिए थे। कुछ दिन पहले गीरिशभाई ने जहरूदीन को बुलाया था और जमीन के ५० लाख रुपये मांगे थे। गीरिशभाई ने रुपये देने से इन्कार करने पर जहरूदीन इसके लोगों द्वारा अक्सर धमकी देता था। जहरूदीन की वसूली से परेशान होकर आखिर में गीरिशभाई ने रामोल पुलिस स्टेशन में फिरोती की शिकायत की है। गीरिशभाई की शिकायत के आधार पर पुलिस ने गत दिन जहरूदीन को गिरफ्तार करके जांच शुरू कर दी है।

राज्य के कई जिलो में एटीएम बंद के बोर्ड लगे

सूरत, गुजरात के कई जिलों में एटीएम खालीखम्म हो गए है। कई जगहों पर रुपए नहीं होने से मशीन बंद के बोर्ड लगा दिए गए है। कुछ जगह तो बैंकों में भी कम रुपए निकालने को कहा जा रहा है। कई जगह तो लोगों की प्रतिक्रिया इस तरह से सामने आ रही है जैसे नोटबंदी का दूसरा दौर हो।

पंचमहाल जिले की गोधरा सहित सभी तहसील में तीन दिनों से एटीएम खाली होने के कारण लोग परेशान है। विशेषकर विवाह के सीजन में ही इस प्रकार की परेशानी बढ़ने लगी है। एटीएम में कुछ रुपए आते भी है तो वह शीघ्र खत्म हो जाते है। बैंकों की ओर से भी रुपए निकालने पर मर्यादा तय की गई है। इसे बावजूद रुपए की कमी से एटीएम खाली पडे है। ऐसे में नोटबंदी जैसा माहौल बना हुआ है। जिलेभर के अधिकतर एटीएम रुपए के अभाव में बंद पड़े है।

जामनगर की बात करे तो शहर में करीब १२५ एटीएम रुपए के अभाव में खाली पडे है। लोग अपनी आर्थिक जरुरत पुरी करने के लिए एटीएम के एटीएम सेंटर पर पहंचे तो वहां रुपए ही नहीं थे। दूसरी ओर ग्राहको ने सोचा कि दो दिनों की छुट्टी के चलते एटीएम खाली हो गए और बैंक खुलने के साथ ही एटीएम से रुपए निकलने लगेंगे, लेकिन मंगलवार को भी अनेक स्थलों पर ऐसी ही स्थिति देखने को मिली।

एटीएम सेंटर ही नही, अपितु बैंकों में भी रुपए की कमी देखने को मिली। हालांकि अहमदाबाद में स्थिति नियंत्रण में दिखी। उधर, सूरत, वडोदरा, हिम्मतनगर, महेसाणा, पालनपुर तथा पंचमहाल जिले के कई स्थानों पर एटीएम खाली होने की खबरें मिली।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, **संपादक :- सुरेश मौर्या** फोन नं. (9879141480) **Tc.No. : GUJHIN00722**, E-mail: krantisamay@gmail.com